Self Respect

14-06-2014

- ✓बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं | बच्चे जानते हैं हम आत्माओं को बाप समझाते हैं और बाप अपने को आत्माओं का बाप समझते हैं | ऐसे कोई समझते नहीं और न कोई कभी समझाते हैं कि अपने को आत्मा समझो | यह बाप ही आत्माओं को बैठ समझाते हैं | इस ज्ञान की प्रालब्ध तुम नई दुनिया में लेने वाले हो नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार |

- ✓यह है रूहानी प्यार | रूहानी प्यार किसके साथ? बच्चों का रूहानी बाप के साथ और बच्चों का बच्चों के साथ | तुम बच्चों का आपस में बहुत प्यार होना चाहिए यानी आत्माओं का आत्माओं के साथ भी प्यार चाहिए | यह शिक्षा भी अभी तुम बच्चों को मिलती है | दुनिया के मनुष्यों को कुछ भी पता नहीं |

- ✓ड्रामा प्लैन अनुसार सिर्फ़ पुरुषोत्तम संगमयुग पर ही रूहानी बाप आकर रूहानी बच्चों को सम्मुख समझाते हैं | और बच्चे जानते हैं कि बाप यहाँ आये हुए हैं | हम बच्चों को गुल-गुल, पवित्र पतित से पावन बनाकर साथ ले जायेंगे |

- ✓तुम्हारी बुद्धि में है कि हम विश्व के मालिक बन रहे हैं |

- ✓बाप रहते हैं परमधाम में | तुम्हारी आत्मा भी वहाँ रहने वाली है फिर यहाँ पार्ट बजाने आती है | यह भी ज्ञान अभी मिला है | जब तुम देवता हो वहाँ तुमको यह याद नहीं रहता है कि फलाने-फलाने धर्म की आत्मायें ऊपर में हैं |

- ✓इस समय बाप समझाते हैं जब मैं यहाँ आया हूँ, आकर बच्चों को ज्ञान भी देता हूँ ।
- ✓ यह सब बातें तुमको कल्प-कल्प एक ही बाप आकर सुनाते हैं । बाकी तो सभी हैं जिस्मानी पढ़ाई । उनको रूहानी पढ़ाई नहीं कह सकते हैं । अभी तुम जानते हो हम आत्मा हैं । आई माना आत्मा, माई माना मेरा यह शरीर है । मनुष्य यह नहीं जानते । उन्हों का तो सदैव दैहिक सम्बन्ध रहता है । सतयुग में भी दैहिक सम्बन्ध होगा । परन्तु वहाँ तुम आत्म-अभिमानी रहते हो ।

- ✓सच्चे-सच्चे ब्राह्मण तुम हो ब्रह्मा की औलाद | वह कोई ब्रह्मा की औलाद नहीं हैं, पीछे आने वालों को यह मालूम नहीं पड़ता है | तुम्हारा यह विराट रूप है | यह बुद्धि में याद रहना चाहिए |
- ✓ हम आत्मा हैं, बाप के बच्चे हैं, यह यथार्थ रीति समझकर, यह निश्चय पक्का-पक्का होना चाहिए |
- ✓ तुम हो आस्तिक, क्योंकि तुम रचयिता और रचना के आदि, मध्य, अन्त को जानते हो |
- ✓ बाप को जानना है, स्वदर्शन चक्रधारी बनना है | बस!

✓एक मिनट की एकाग्र स्थिति द्वारा शक्तिशाली अनुभव करने कराने वाले एकान्तवासी भव

✓एकान्तवासी बनना अर्थात् कोई भी एक शक्तिशाली स्थिति में स्थित होना | चाहे बीजरूप स्थिति में स्थित हो जाओ, चाहे लाईट माईट हाउस की स्थिति में स्थित हो विश्व को लाईट माईट दो, चाहे फ़रिश्ते पन की स्थिति द्वारा औरों को अव्यक्त स्थिति का अनुभव कराओ | एक सेकण्ड वा एक मिनट भी अगर इस स्थिति में एकाग्र हो स्थित हो जाओ तो स्वयं को और अन्य आत्माओं को बहुत लाभ दे सकते हो | सिर्फ़ इसकी प्रैक्टिस चाहिए |

- ✓ मैं तुमको प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा एडाप्ट करता हूँ | तो यह माता भी हो गई | गाया भी जाता है तुम मात-पिता हम बालक तेरे.....तो वह सब आत्माओं का बाप है |

- ✓ अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |